SHRI MAHESWAR NAIK: May I know whether this accumulated cloth stock is not being exported outside?

SHRI N. KANUNGO: Exports are steady.

तौल की दशमिक प्रणाली का चालू किया जाना

***२२. श्री राम सहाय :** क्या **वाणिज्य तथा उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) तौल की दशमिक प्रणाली पहले किन क्षेत्रों में चालू करने का विचार है; और

(ख) उसे सारे देश में अनिवार्य रूप से कब व्यवहार में लाने का विचार है ?

†[INTRODUCTION OF METRIC SYSTEM OF WEIGHTS

*22. SHRI RAM SAHAI: Will the Minister of COMMERCE AND INDUSTRY be pleased to state:

(a) the regions where the Metric System of Weights is proposed to be first introduced; and

(b) by what time it is proposed to be operated compulsorily throughout the country?]

वाणिज्य तथा उद्योग उपमंत्री (श्री सतीश चन्द्र) : (क) सभा की मेज पर एक विवरण रखा जाता है जिसमें वे क्षेत्र बताये गये हैं जिनमें दशमिक बाट चालू करने का प्रस्ताव है । केन्द्रीय तथा राज्य सरकारों के विभागों में भी विशिष्ट कामों के लिए और कुछ चुने हुए बड़े उद्योगों में कच्चा माल खरीदने तथा तैयार माल बेचने के लिए यह प्रणाली लागू की जाएगी ।

(ख) दिसम्बर १९६६ तक ।

†[ ] English translation.

विवरण

वे क्षेत्र जहां तौल की दशमिक प्रणाली पहले चालू करने का विचार है

राज्यों के नाम (१)	वे क्षेत्र जिनमें यह प्रणाली पहले लागू की जायेगी (२)
आंध्र	कुछ ज़िले जिनके नाम राज्य सरकार बतायेगी ।
बिहार	चुने हुए १० सब डिवीज़न ।
दिल्ली	दिल्ली शहर, नरेला, नजफ़गढ़, शाहदरा ।
केरल	३ जिले जिन्हें राज्य सरकार चुनेगी ।
आसाम	गौहाटी म्युनिसिपल क्षेत्र तथा नौगाव ज़िला ।
मद्रास	४ ज़िले जिन्हें राज्य सरकार चुनेगी ।
मैसूर	३ ज़िले जिन्हें राज्य सरकार चुनेगी ।
मध्य प्रदेश	भोपाल, इंदौर, ग्वालियर तथा जबलपुर ज़िले ।
त्रिपुरा	अगरतल्ला शहर ।
उड़ीसा	बरहामपुर, कटक और संबलपुर ज़िले ।
उत्तर प्रदेश	हापुड़, आगरा, बनारस, उरई, नौगढ़, बहराइच तथा लखनऊ की मंडियां।
राजस्थान	अजमेर, बीकानेर, जोधपुर, जयपुर, कोटा तथा उदयपुर ज़िले ।
पंजाब	६ स्थान जिन्हें राज्य सरकार चुनेगी ।
बम्बई	बम्बई, पूना, अहमदाबाद, राजकोट, बड़ौदा, नागपुर, औरंगाबाद, शोलापुर तथा कोल्हापुर नगर।

(१)	(२)
हिमाचल प्रदेश	मंडी और सरमर ज़िले ।
मणिपुर	इम्फ़ाल का म्युनिसिपल क्षेत्र

†[THE DEPUTY MINISTER OF COMMERCE AND INDUSTRY (SHRI SATISH CHANDRA): (a) A statement showing the areas where the introduction of metric weights is proposed to be started is laid on the Table of the Sabha. The system will also be introduced for specified purposes in Central and State departments and also in selected major industries for the purchase of raw material and the sale of products.

(b) December, 1966.

STATEMENT

Areas where Metric System of Weights is Proposed to be First Introduced

Name of the state (1)	Area of introduction at first stage (2)
Andhra . .	A certain number of districts to be named by the State Government.
Bihar . .	10 Selected Sub-Divisions.
Delhi . .	Delhi Urban Area, and Narela, Najafgarh, Shahdara.
Kerala . .	3 Districts to be selected by the State Government.
Assam . .	Gauhati Municipal Area and Nowgong District.
Madras . .	4 Districts to be selected by the State Government.
Mysore . .	3 Districts to be selected by the State Government.
Madhya Pradesh	Districts of Bhopal, Indore, Gwalior and Jubbalpur.
Tripura . .	Agartala town.
Orissa . .	Berhampur, Cuttack and Sambalpur Districts.
Uttar Pradesh	Assembling markets at Hapur, Agra, Banaras, Orai, Nowgarh, Bahraich and Lucknow.
Rajasthan .	Ajmer, Bikaner, Jodhpur Jaipur, Kotah and Udaipur districts
Punjab . .	In 6 centres to be selected by the State Government.
Bombay . .	Cities of Bombay, Poona, Ahmedabad, Rajkot, Baroda, Nagpur, Aurangabad, Sholapur and Kolhapur.
Himachal Pradesh	Districts of Mandi and Sirmur.
Manipur . .	Municipal Area of *Imphal*.]

† [ ] English translation.

श्री राम सहाय : क्या मा० मंत्री महोदय यह बताने की कृपा करेंगे कि जिस प्रकार वर्तमान प्रणाली में हिन्दी मे कुछ इस प्रकार के गुर हैं जैसे कि 'जितने रुपये की सेर उतन ही आने की छंटाक' इसी प्रकार के फार्मुले इसमें भी सरकार बनाने का प्रयत्न कर रही है ?

श्री सतीश चन्द्र : जिस तरह हमारे सिक्के यानी रुपये पैसे दशमलव प्रणाली में तबदील हो गये हैं उसी प्रकार ही नाप और तोल में मेट्रिक प्रणाली का इस्तेमाल होगा। वे सब दस के फार्मुला पर चलेंगे ।

SHRI H. D. RAJAH: Sir, is it the policy of the Government not to say anything in English if the answer is given in Hindi? If it is so, let them say so. If it is not, let them also speak in English so that others on this side can understand.

SHRI JAWAHARLAL NEHRU: The policy is to answer the question in the language in which it is put in so far as possible to do it and translate it in any other language which may be necessary.

SHRI H. D. RAJAH: But it has been the practice here to answer the question in Hindi and English so that it can be understood by the others. The questions are in English here and answers too should be in English.

SHRI JAWAHARLAL NEHRU: The questions, as they are printed here, are certainly in English but questions are sometimes put in Hindi and, therefore, presuming that the questioner either wants the answer in Hindi or does not understand any other language, the answer is to be given in that language in so far as it is possible but always it is our desire to give it in any other language like English also but in supplementaries it becomes a little complicated. Normally it is done but in supplementaries, the answer is to be given immediately and it is given in Hindi. This is done, the answer is given in Hindi, because the supplementary itself is not understood. Therefore, this confusion arises. Of course, if it is necessary, we can answer them but it will take double the time. One can do that, Sir.

श्री राम सहाय : मैं मिनिस्ट्र महोदय से यह प्रश्न कर रहा था कि जैसे पहले गुर हिन्दी में हुआ करते थे कि जैसे जितने रुपये की एक सेर कोई चीज़ आयगी उतने हो आने की छंटाक आयगी, क्या इस प्रकार के कोई गुर या फार्मुला को इस दशमिक पद्धति या नए पैसे की पद्धति पर लागू करने का सरकार विचार कर रही है ?

श्री सतीश चंद्र : जो पहले फार्मुला थे उनको दूर करने के लिये ही दशमिक प्रणाली का प्रयोग आरम्भ किया जा रहा है । अगर सौ रुपये की कोई चीज़ एक मीटर हो तो एक रुपये की एक सेंटीमीटर आयेगी । यह बहुत सीधा फार्मुला बन जाता है । वर्तमान प्रणाली में विभाजित राशियां होती हैं यानी संख्या के टुकड़ होते हैं उनकी अब जरुरत हीं नहीं रह जायेगी ।

श्री जवाहरलाल नेहरु : अंगरेजी में भी कहिये ।

SHRI SATISH CHANDRA: With the adoption of the metric system, calculations will become very simple and there would be no necessity for complicated formulae because . . .

MR. CHAIRMAN: Mr. Rajah, listen.

SHRI H. D. RAJAH: Excuse me, Sir. I was trying to understand from my neighbour as to what he is talking in Hindi. *Nan inimel Tamilil pesalamallava? Neengalum purindhukolveerkal, avargalukkum neengal sollalam.*

MR. CHAIRMAN: Go on, Mr. Rajbhoj, put your question.

श्री पां० ना० राजभोज : क्या मैं जान सकता हूं कि सरकार ने इसका क्या इंतिजाम किया है और बस और रेलवे में यह प्रणाली चालू करने में कितनी अवधि लगेगी ?

SHRI SATISH CHANDRA: Shall I reply in English, Sir?

श्री जवाहरलाल नेहरु : इसका इंतजाम यह किया है—I shall presently say in English too—कि काफी मौका दिया जायगा । एक दम से हम नहीं कुछ किया चाहते ताकि हल्के हल्के लोग आदी होते जांय और इसमें उलटपुलट न हो । इसमें कोई संदेह नही है कि इसके आने से फायदा सबों को होगा, यह एक लाभदायक चीज़ है । भारत के अलग अलग हिस्सों में हिसाब किताब के लिये अलग अलग तराजू है, अलग अलग वज़न करने की चीज़ें हैं । तो इसमें काफी समय दिया जायेगा, पूरी तौर से आने में वर्षों लग जायें । लेकिन हम उसको आरम्भ किया चाहते हैं इस साल से ।

This is in regard to the facilities for the change-over from the old system of weights and measures to the metric system and the question was whether this will be done gradually, step by step or rather suddenly. The answer was that it will be done gradually so as to cause the least inconvenience to the people in making them get accustomed to it.

*23. [*For answer*, vide *col.* 214 infra.]